# मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

01 अक्टूबर, 2022

मुक्त चिन्तन


## कानपुर क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

*दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी*

दिनांक 01 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र कानपुर द्वारा अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयको की **मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा : अवसर एवं चुनौतियॉं** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र अर्मापुर पी.जी. कालेज, कानपुर में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

प्रारंभ में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत अर्मापुर पी.जी. कालेज कानपुर के प्राचार्य डॉ0 मुकेश सिंह ने किया तथा क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के प्रभारी डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी ने कार्यशाला के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ दिनेश सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं वित्त विभाग से श्री मोहितोष कुमार, कुलपति सचिवालय से इन्दुभूषण पाण्डेय आदि ने समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी ने संचालन तथा डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर कानपुर क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 58 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

*कार्यशाला का संचालन करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर की समन्वयक डॉ० शुचिता चतुर्वेदी*

*स्वागत गीत प्रस्तुत करती हुई कालेज की छात्रायें*

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के प्रभारी डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए अर्मापुर पी.जी. कालेज कानपुर के प्राचार्य डॉ० मुकेश सिंह

अपने विचार व्यक्त करते हुए अर्मापुर पी.जी. कालेज कानपुर के प्राचार्य डॉ० मुकेश सिंह

कार्यशाला के बारे में बताते हुए क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के प्रभारी डॉ० आनन्दा नन्द त्रिपाठी

## विचार–विमर्श

*अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकों को अपनी समस्यायें एवं विश्वविद्यालय के प्रगति के लिए सुझाव देने हेतु आमंत्रित करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर की समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी एवं मंचासीन माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी तथा विश्वविद्यालय के सदस्यगण*

*सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण सदस्यगण*

*समन्वयकों की अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त करते अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण*

प्रवेश के सम्बन्ध में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव

परामर्श के सम्बन्ध में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ दिनेश सिंह

वित्त के सम्बन्ध में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए वित्त विभाग के श्री मोहितोष कुमार

परीक्षा के सम्बन्ध में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह

# अतिथि सम्मान

*माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का अंगवस्त्र, समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए अर्मापुर पी.जी. कालेज कानपुर के प्राचार्य डॉ0 मुकेश सिंह एवं अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण*

परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह,
क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के प्रभारी
डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी,
प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ
डॉ दिनेश सिंह,
प्रवेश प्रभारी
डॉ ज्ञान प्रकाश यादव
एवं
वित्त विभाग के
श्री मोहितोष कुमार
को समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विभिन्न
अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण

# अध्ययन केंद्रों के संचालन में समन्वयकों की भूमिका महत्वपूर्ण– प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचलों के शिक्षार्थियों के द्वार तक ले जाने में अध्ययन केंद्र बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बनाए रखकर जन जन तक मुक्त विश्वविद्यालय पहुंच रहा है। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता पर मुहर लगा दी है।
उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने शनिवार को कानपुर क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में दिए।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कोरोना काल में मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षार्थियों को घर बैठे गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के एवज में यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों को नवाज़ा है। वास्तव में कोरोना काल में ही ऑनलाइन शिक्षा के युग का सूत्रपात हुआ। जब जिंदगी थम सी गई थी और लोग घरों में कैद हो गए थे। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालयों ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से जन जन तक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। जिसे न केवल भारत सरकार ने सराहा बल्कि विगत दिनों यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष भी करार दिया है।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के लिए अध्ययन केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अध्ययन केंद्र विश्वविद्यालय एवं शिक्षार्थियों के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो विभिन्न प्रकार की समस्याओं का प्राथमिक स्तर पर त्वरित समाधान करते हैं। समन्वयकों का यह दायित्व है कि वे उच्च शिक्षा के प्रसार के साथ ही साथ शैक्षिक गुणवत्ता के सतत सुधार एवं परिमार्जन की भूमिका निभाएं।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय की लोकप्रियता में उछाल आया है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के साथ ही छात्र–छात्राओं के घर पर पाठ्य सामग्री भेज दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं । प्रमाणपत्र डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा से असाइनमेंट समाप्त कर दिए गए हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के असाइनमेंट छात्र घर पर ही बैठ कर पूरा करता है और उसे अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करता है। इसके उपरांत उसे परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की लचीली व्यवस्था के अंतर्गत परामर्श कक्षाओं में छात्र काउंसलर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में विश्वविद्यालय ने छात्रों की ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यूट्यूब पेज पर ऑनलाइन हैं। जिन्हें देखकर प्रतियोगी छात्र भी भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी (ओ. आई. आर.) की स्थापना की दिशा में प्रयास कर रहा है। जिसके अंतर्गत विद्या शाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगी। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ओ. आई. आर. तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षकों को नवाचार एवं शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी फॉर प्रमोशन ऑफ रिसर्च के अंतर्गत वित्तीय सहायता दी जा रही है। नवाचार के अंतर्गत शिक्षार्थियों को लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एल.एम. एस.) के माध्यम से पाठ्यक्रम परामर्श अध्ययन सामग्री इत्यादि को देने की व्यवस्था की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्माइल योजना के अंतर्गत (स्कीम टू मार्जिनलाइज्ड इनडिवाइड्यूल फॉर लर्निंग एंड अर्निंग) कोविड काल में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों, किन्नरों, जेल बंदियों, देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50: की छूट प्रदान की जा रही है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ओ. ई. आर., एल. एम. एस. और यूट्यूब चौनल सहित समस्त आनलाइन गतिविधियों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन शीघ्र राज्यपाल द्वारा किया जाएगा।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक विस्तार की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इसीलिए दूरस्थ शिक्षा के विकास, नवीनीकरण और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतत अनुसंधान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें न केवल दूरस्थ शिक्षा पद्धति को सर्व सुलभ बनाना है बल्कि दूरस्थ शिक्षा के समुपयुक्त साधनों से शिक्षार्थी केंद्रित गुणवत्तापरक मूल्य आधारित शिक्षा भी प्रदान करनी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के तीव्र विस्तार ने विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक समूहों के शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने की आशाएं एवं आकांक्षाएं बढ़ा दी हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नवाचार और स्टार्टअप के पोषण के लिए एक मजबूत एजुकेशनल इको सिस्टम का निर्माण कर रहा है जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के नए अवसर निकलेंगे और युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा फोकल एवं लोकल की विचारधारा समृद्ध होगी। विश्वविद्यालय प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा।

कार्यशाला में आये हुए विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकों को अंगवस्त्र एवं सर्टिफिकेट भेंट कर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति जी ने सम्मानित किया।

कार्यशाला में आये हुए विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकों को अंगवस्त्र एवं सर्टिफिकेट भेंट कर विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति जी के साथ ग्रुप फोटों में कार्यशाला में आये हुए विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य, समन्वयक एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के प्रभारी डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

कानपुर नगर में पहुँचने पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर की समन्वयक डॉ0 शुचिता चतुर्वेदी

अर्मापुर पी.जी. कालेज, कानपुर के परिसर में पहुँचने पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत करते हुए एन.सी.सी. के छात्र–छात्रायें

अर्मापुर पी.जी. कालेज, कानपुर के परिसर में पहुँचने पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए कालेज के प्राचार्य डॉ0 मुकेश सिंह

क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के भवन का निरीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ॰प्र॰ राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
02 अक्टूबर, 2022

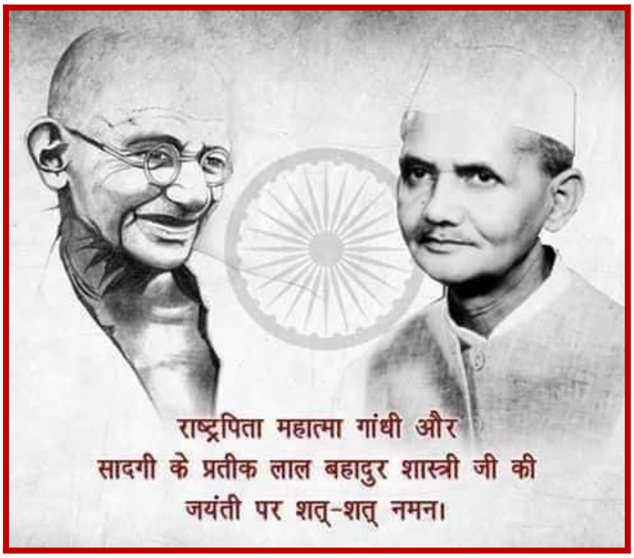


# मुक्त विश्वविद्यालय ने महात्मा गांधी तथा लाल हादुर शास्त्री को जयंती पर किया याद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में रविवार दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र पर गांधी जयंती समारोह के अवसर पर बापू के प्रिय भजनों का पाठ किया गया। समारोह की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

प्रारंभ में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी का स्वागत समारोह के समन्वयक तथा मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने किया। आयोजन सचिव डॉ अतुल कुमार मिश्र ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्ता ने किया।

*दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

जयंती समारोह में सौहार्द पूर्ण कार्यक्रम के अंतर्गत सकारात्मक ऊर्जा और शांति के महत्व के साथ साथ खुला मंच का आयोजन किया गया ,जिसमें सभी ने विश्वविद्यालय के विकास और गतिविधियों पर अपने–अपने विचार रखे। आयोजन सचिव डॉ अतुल मिश्रा ने माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को महात्मा गांधी की पुस्तक भेंट की। इसके पूर्व विश्वविद्यालय की कुलपति ,अधिकारी, कुलसचिव, निदेशक गण, शिक्षकों, कर्मचारी और छात्रों ने दोनों महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित की । इस अवसर पर विष्वविद्यालय परिवार ने आसन पद्धति में बैठकर रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन को तेने कहिए पीर पराई जाने ये इत्यादि बापू के प्रिय भजनों का पाठ किया।

समारोह में कुलसचिव प्रो पी पी दुबे, प्रो जी.एस. शुक्ला प्रो पीके पांडे, प्रो एस पी तिवारी, प्रो रुचि बाजपेई, प्रो वीके गुप्ता, प्रो छत्रपाल सिंह, प्रो जे पी यादव, डॉ श्रुति, डॉ दिनेश सिंह, डॉ स्मिता अग्रवाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ अनिल यादव आदि उपस्थित रहे।

*महात्मा गॉधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी को माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, कुलसचिव, निदेशकगण, शिक्षकों, कर्मचारी और छात्रों ने दोनों महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।*

महान विभूतियों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम की रूपरेखा

प्रस्तुत करते हुए

आयोजन सचिव

डॉ अतुल कुमार मिश्र

आसन पद्धति में बैठकर रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन को तेने कहिए पीर पराई जाने ये इत्यादि बापू के प्रिय भजनों का पाठ करते हुए विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

आसन पद्धति में बैठकर रघुपति राघव राजा राम, वैष्णव जन को तेने कहिए पीर पराई जाने ये इत्यादि बापू के प्रिय भजनों का पाठ करते हुए विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम में उपस्थित माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

*कार्यक्रम में उपस्थित माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*
*एवं*
*विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

कार्यक्रम
में
उपस्थित
माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
एवं
विष्वविद्यालय
परिवार
के
सदस्यगण

जयंती समारोह में सौहार्द पूर्ण कार्यक्रम के अंतर्गत सकारात्मक ऊर्जा और शांति के महत्व के साथ साथ खुला मंच का आयोजन किया गया ,जिसमें सभी ने विष्वविद्यालय के विकास और गतिविधियों पर अपने अपने विचार रखते हुए विष्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को महात्मा गांधी की पुस्तक भेंट करते हुए आयोजन सचिव डॉ अतल मिश्रा

## महात्मा गांधी के विचार आज अधिक प्रासंगिक –प्रोफेसर सीमा सिंह

समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि हमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दिखाए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की संघर्षरत दुनिया में महात्मा गांधी के विचार अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उन्होंने सभी को समानता का अधिकार दिये जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा मुक्त विष्वविद्यालय प्रदेश का इकलौता ऐसा विष्वविद्यालय है जो प्रदेश के सभी वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान कर रहा है। गांधी जी के सपनों को साकार करने में विष्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा कि उनकी सादगी हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने 'जय जवान जय किसान' विचार को आज भी प्रासंगिक बताते हुए कहा कि देश को आगे ले जाने में शास्त्री जी की प्रभावशाली भूमिका रही है।

*धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो. विनोद कुमार गुप्ता*

मुक्त चिन्तन

## मुक्त विष्वविद्यालय ने के क्षेत्रीय केन्द्रो पर महात्मा गांधी तथा

स्वाध्याय
स्वावलम्बन
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय
प्रयागराज
क्षेत्रीय कार्यालय
आगरा
क्षेत्रीय समन्वयक
डा. रेखा सिंह

# क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई तथा वहां उपस्थित लोगों से महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी के आदर्शों तथा पद चिन्हों पर चलने के लिए सबको प्रेरित किया तथा साथ ही अपने जीवन को किस तरीके से सरल बनाते हुए लोगों को देश के प्रति अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए भी जागरूक किया इस अवसर पर डॉ निरांजली सिन्हा क्षेत्रीय समन्वयक लखनऊ, डॉ0 अलका वर्मा, असि. प्रोफेसर तथा वहां के कर्मचारीगणों ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

# क्षेत्रीय केंद्र मेरठ

## क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई ।अवसर पर श्री प्रवीन कुमार गुप्ता क्षेत्रीय समन्वयक गोरखपुर तथा वहां के कर्मचारीगणों ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

# क्षेत्रीय केंद्र बरेली

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र बरेली पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई । अवसर पर डॉ आर.बी. सिंह क्षेत्रीय समन्वयक बरेली तथा वहां के कर्मचारीगणों ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

# क्षेत्रीय केंद्र झाँसी

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र झाँसी पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई । क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के कर्मचारीगणों ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

# क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई । क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ समन्वयक डॉ0 श्याम दत्त दुबे ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

# क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या

आज दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या पर महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई इस अवसर पर डॉ शषि भूषण राम त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक अयोध्या तथा वहां के कर्मचारीगणों ने माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित किया।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
मुक्त चिन्तन
03 अक्टूबर, 2022

# कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री से की शिष्टाचार भेंट

*पूर्व माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर जी से उनके आवास पर षिष्टाचार भेंट करती हुई कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

# शिष्टाचार भेंट

गंगा यमुना सरस्वती की पावन धरती पर भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के नाम पर स्थापित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय, प्रयागराज अपने गौरवशाली रजत जयंती वर्ष की तरफ आगे बढ़ रहा है। पीछे मुड़कर देखें तो प्रयागराज में मुक्त विष्वविद्यालय की स्थापना का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर को जाता है। वर्ष 1998 में तत्कालीन भाजपा नीत सरकार के मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह के समक्ष मुक्त विष्वविद्यालय की स्थापना देश के कर्णधार राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के नाम पर प्रयागराज में किए जाने का प्रस्ताव डॉ. गौर ने ही रखा। प्रयागराज हमेशा से ही शिक्षा की राजधानी के रूप में विख्यात रहा है। पूरब के ऑक्सफोर्ड के रूप में इस शहर की गरिमा यहां के स्कॉलरों को ऊर्जा प्रदान करती रही है।

एक सुखद संयोग रहा कि राजर्षि टंडन और डॉ. गौर का इलाहाबाद से गहरा नाता रहा है। तत्कालीन मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह ने इसी कारण उनके प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए मुक्त विष्वविद्यालय की स्थापना प्रयागराज में ही करने का निर्णय अपनी कैबिनेट में लिया।

विश्वविद्यालय अब शनैः शनैः अपने रजत जयंती वर्ष की ओर आगे बढ़ रहा है। स्थापना काल से वर्तमान तक डॉ गौर का विष्वविद्यालय को हमेशा मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विष्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने आज उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की एवं विष्वविद्यालय की गतिविधियों से डॉ. गौर को अवगत कराया। इस अवसर पर विष्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पी.पी. दुबे उपस्थित रहें।

News Letter
# मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
11 अक्टूबर, 2022

## मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में टेबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में अध्ययनरत परास्नातक के छात्र–छात्राओं को उत्तर प्रदेश सरकार के छात्रों को तकनीकी सशक्तिकरण हेतु टेबलेट वितरण योजना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महानगर पालिका अयोध्या के महापौर माननीय ऋषिकेश उपाध्याय, कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक, प्रो. सत्यपाल तिवारी, विशिष्ट अतिथि योगाचार्य डॉ चौतन्य एवं साकेत महाविद्यालय के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष मानस भूषण त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने किया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रबंधक श्री लालजी सिंह अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह, नंदिनी नगर महाविद्यालय के डॉ शत्रुघन सिंह, त्रिपुरारी सिंह एवं छात्र छात्राएं तथा कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

*माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी, अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह एवं नंदिनी नगर महाविद्यालय के डॉ शत्रुघन सिंह*

*कार्यक्रम का संचालन करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी*

*छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरण करते हुए माननीय अतिथिगण*

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या

इस इस कार्यक्रम में 30 छात्रों को मुख्य अतिथियों के द्वारा टेबलेट प्रदान किया गया और छात्रों को संबोधित करते हुए महापौर ऋषिकेश उपाध्याय जी ने कहा कि भारत के युवाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार की यह पहल शैक्षणिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। इससे भारत आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनेगा। शिक्षा किसी देश की मूल पूंजी होती है और वही उसे विश्व के सर्वोच्च स्थान पर ले जाती है। कहीं भी किसी को भी किसी भी प्रकार से शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने में सतत विश्वविद्यालय प्रयत्नशील है। यह भारत के सुदूर अंचलों तक प्रदेश के हर व्यक्ति तक शिक्षा की अलख जगाने का कार्य ऑडियो माध्यम से या सुदूर दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से निरंतर कर रहा है। आज दूरस्थ शिक्षा की तरफ सरकार भी लगातार आकर्षित हो रही है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अनेक परियोजनाएं शिक्षा के अनेक माध्यम यूजी पीजी तथा सर्टिफिकेट कोर्स ओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश के कोने–कोने में शिक्षा का प्रचार और प्रसार कर रहा है । आज टेबलेट वितरण में इस हमारे अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र पर छात्रों की बढ़ती हुई संख्या इस बात का द्योतक है कि वह दूरस्थ शिक्षा के प्रति लगातार आकर्षित ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उस के माध्यम से अनेक स्थानों पर सरकारी सेवाओं में निरंतर जा रहे हैं यह सरकार की उपलब्धि माना जाएगा

विशिष्ट अतिथि डॉ चौतन्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने लाभार्थियों को टैबलेट प्रदान कर अनेक विद आगे बढ़ने के लिए साधन उपलब्ध कराया है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कहा कि लैपटॉप का वितरण कार्यक्रम सरकार और राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। निश्चित रूप से टेबलेट विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा। इसका प्रयोग व शैक्षणिक और ज्ञानात्मक विकास के लिए करेंगे । नई तकनीक के माध्यम से शिक्षा को आगे ले जाने का यह सबसे बड़ा उपक्रम सिद्ध हो रहा है। सरकार का यह दूरदर्शी दृष्टि है कि उन विद्यार्थियों को जो कहीं ना कहीं असहाय हैं जो टेबलेट या मोबाइल नहीं खरीद सकते हैं सुदुर अंचल में रह रहे हैं शिक्षा का कोई माध्यम नहीं है, उनके लिए यह योजना बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगी । इस प्रकार से उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षा को हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सतत दिखाई पड़ती है जो सरकार का बहुत बड़ा उपक्रम और प्रयास है।

## विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित

फैजाबाद (अयोध्या)।

उप्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बीएनएस गर्ल्स डिग्री कालेज जनौरा में अध्ययनरत परास्नातक छात्र –छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया। मुख्य अतिथि महापौर ऋषिकेश उपाध्याय थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के निदेशक, प्रो. सत्यपाल तिवारी, विशिष्ट अतिथि योगाचार्य डॉ. चैतन्य व साकेत के पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष मानस भूषण त्रिपाठी रहे। संचालन क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में 30 छात्रों को टेबलेट प्रदान किया गया।

टेबलेट वितरण समारोह में मुख्य अतिथि महापौर ऋषिकेश उपाध्याय लाभार्थी विद्यार्थी व अन्य

महापौर ने कहा कि भारत के युवाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकार की यह पहल शैक्षणिक दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। इससे भारत आत्मनिर्भर और शक्तिशाली बनेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. तिवारी ने कहा कि शिक्षा किसी देश की मूल पूंजी होती है और वही उसे विश्व के सर्वोच्च स्थान पर ले जाती है। टेबलेट वितरण में क्षेत्रीय केंद्र पर छात्रों की बढ़ती हुई संख्या इस बात का द्योतक है कि वह दूरस्थ शिक्षा के प्रति लगातार आकर्षित ही नहीं हो रहे हैं बल्कि उसके माध्यम से अनेक स्थानों पर सरकारी सेवाओं में निरंतर जा रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ चैतन्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ने लाभार्थियों को टैबलेट प्रदान कर आगे बढ़ने का साधन उपलब्ध कराया है। संचालक केंद्र के समन्वयक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कहा कि निश्चित रूप से टेबलेट विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा। महावि. के प्रबंधक लाल जी सिंह, अवध विश्ववि. के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह, नंदिनी नगर महावि. के डॉ. शत्रुघ्न सिंह, त्रिपुरारी सिंह, छात्र-छात्राएं तथा सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

12 अक्टूबर, 2022

# कार्य परिषद् की 125वीं बैठक आयोजित

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 125वीं बैठक दिनांक 12 अक्टूबर, 2022 को अपराह्न 02:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

कार्य परिषद् की
125वीं बैठक

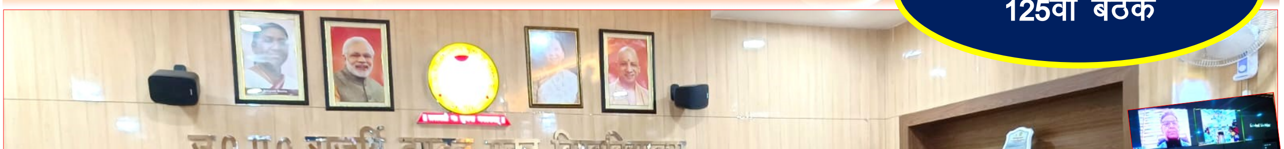

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr  izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL:x.kA

मुक्त चिन्तन
News Letter
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

# वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

*दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी*

दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी द्वारा अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यों एवं समन्वयको की **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की भूमिका** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज, कोईराजपुर, वाराणसी में आयोजित की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। इस अवसर पर स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज की निदेशिका डॉ0 वन्दना सिंह, सचिव, श्री राहूल सिंह, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक, डॉ0 डी0 पी0 सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये।

प्रारंभ में सभी अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय केंद्र वारणसी के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक, डॉ0 एस0के0 सिंह ने किया। प्रस्तावना स्वामी अतुलानन्द हिन्दू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 श्रीकान्त शुक्ल ने प्रस्तुत किया तथा संचालन स्वामी अतुलानन्द हिन्दू महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ0 गरिमा सिंह ने किया। प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ दिनेश सिंह, परीक्षा नियंत्रक, डॉ0 डी0 पी0 सिंह एवं वित्त विभाग से श्री मोहितोष कुमार आदि ने समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने संचालन तथा डॉ दिनेश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध 165 अध्ययन केंद्रों के समन्वयक एवं प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

*मा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यषाला का षुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0*

कार्यशाला का संचालन करती हुई स्वामी अतुलानन्द हिन्दू महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ0 गरिमा सिंह

स्वागत गीत प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्रायें एवं मंचासीन माननीय अतिथि

मुक्त चिन्तन

परीक्षा नियंत्रक श्री डी. पी. सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के सचिव राहूल सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ० एस.के. सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के शिक्षक

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज की निदेशिका डॉ० वन्दना सिंह

प्रवेश प्रभारी डॉ० ज्ञान प्रकाश यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्वामी अतुलानन्द हिन्दु महा विद्यालय के प्राचार्य डॉ० श्रीकान्त शुक्ल

प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ० दिनेश सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के शिक्षक

स्वागत एवं कार्यशाला के बारे में बताते हुए वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ० एस.के. सिंह

मुक्त चिन्तन

*अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के सचिव, श्री राहूल सिंह*

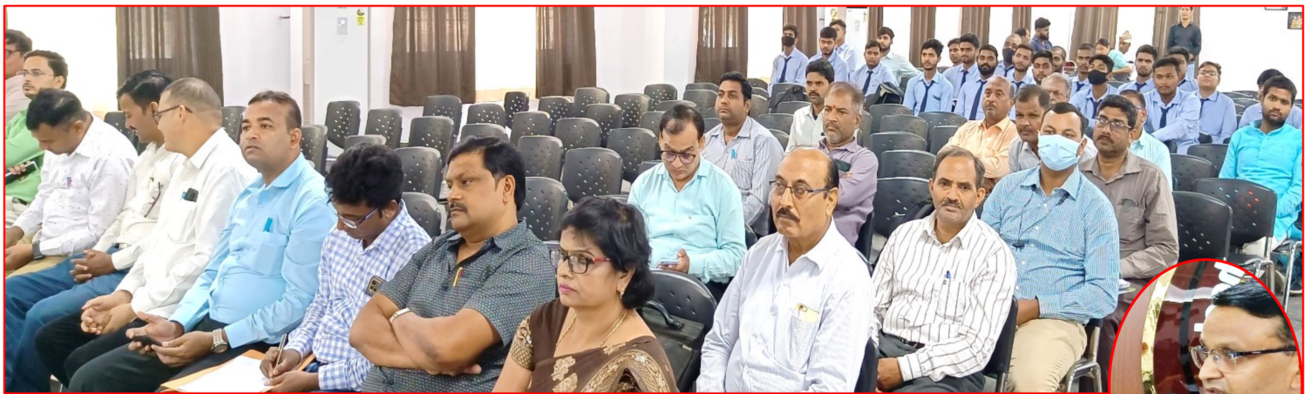

*प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए स्वामी अतुलानन्द हिन्दू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 श्रीकान्त शुक्ल*



## सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई महाविद्यालय की छात्रायें

## मुक्त चिन्तन

*अपनी समस्या बताते एवं सुझाव देते हुए अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण*

Sant Atulanand Convent School

*समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव, प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ. दिनेश सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं वित्त विभाग से श्री मोहितोष कुमार*

मुक्त चिन्तन

## घर घर तक पहुच रहा है मुक्त विश्वविद्यालय– प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा को उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचलों के शिक्षार्थियों के द्वार तक ले जाने में अध्ययन केंद्र बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बनाए रखकर जन जन तक मुक्त विश्वविद्यालय पहुंच रहा है। भारत सरकार ने मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को परिभाषित करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। यूजीसी ने दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता पर मुहर लगा दी है।

उक्त वक्तव्य उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने शनिवार को वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में दिए।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कोरोना काल में मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा ऑनलाइन एजुकेशन के माध्यम से शिक्षार्थियों को घर बैठे गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के एवज में यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों को नवाज़ा है। वास्तव में कोरोना काल में ही ऑनलाइन शिक्षा के युग का सूत्रपात हुआ। जब जिंदगी थम सी गई थी और लोग घरों में कैद हो गए थे। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालयों ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से जन जन तक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की। जिसे न केवल भारत सरकार ने सराहा बल्कि विगत दिनों यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालय की महत्ता को स्पष्ट करते हुए इसे पारंपरिक विश्वविद्यालयों की डिग्री के समकक्ष भी करार दिया है।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के लिए अध्ययन केंद्रों की भूमिका अति महत्वपूर्ण होती है। अध्ययन केंद्र विश्वविद्यालय एवं शिक्षार्थियों के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो विभिन्न प्रकार की समस्याओं का प्राथमिक स्तर पर त्वरित समाधान करते हैं। समन्वयकों का यह दायित्व है कि वे उच्च शिक्षा के प्रसार के साथ ही साथ शैक्षिक गुणवत्ता के सतत सुधार एवं परिमार्जन की भूमिका निभाएं।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे रोजगार परक डिग्री और डिप्लोमा कार्यक्रमों की लोकप्रियता सबसे अधिक है। विश्वविद्यालय ऐसे सभी कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करवा रहा है। जिससे समय के साथ इसे सभी उम्र एवं वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी बनाया जा सके। प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय की लोकप्रियता में उछाल आया है। विश्वविद्यालय में ऑनलाइन प्रवेश के साथ ही छात्र–छात्राओं के घर पर पाठ्य सामग्री भेज दी जाती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों के असाइनमेंट ऑनलाइन कर दिए गए हैं । प्रमाणपत्र डिप्लोमा एवं पीजी डिप्लोमा से असाइनमेंट समाप्त कर दिए गए हैं। स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के असाइनमेंट छात्र घर पर ही बैठ कर पूरा करता है और उसे अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करता है। इसके उपरांत उसे परीक्षा में बैठने का अवसर प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की लचीली व्यवस्था के अंतर्गत परामर्श कक्षाओं में छात्र काउंसलर से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में विश्वविद्यालय ने छात्रों की ऑनलाइन काउंसलिंग की भी व्यवस्था की है। इसके साथ ही विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के वीडियो लेक्चर विश्वविद्यालय के यूट्यूब पेज पर ऑनलाइन हैं। जिन्हें देखकर प्रतियोगी छात्र भी भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

## मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ओपन एजुकेशनल रिपोजिटरी (ओ. आई. आर.) की स्थापना की दिशा में प्रयास कर रहा है। जिसके अंतर्गत विद्या शाखाएं पाठ्यक्रमों की शैक्षणिक सामग्री को ऑनलाइन स्वरूप में शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगी। इसके अंतर्गत शिक्षकों को ओ. आई. आर. तैयार करने की ट्रेनिंग दी जा रही है।

विश्वविद्यालय स्माइल योजना के अंतर्गत (स्कीम टू मार्जिनलाइज्ड इनडिवाइड्यूल फॉर लर्निंग एंड अर्निंग) कोविड काल में अपने माता पिता को खो चुके बच्चों, किन्नरों, जेल बंदियों, देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारतीय सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के आश्रितों को प्रवेश शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50ः की छूट प्रदान की जा रही है।
कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ओ. ई. आर., एल. एम. एस. और यूट्यूब चौनल सहित समस्त आनलाइन गतिविधियों को एक छतरी के नीचे लाने के लिए सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन शीघ्र राज्यपाल द्वारा किया जाएगा।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में गुणात्मक विस्तार की संभावनाएं अभी भी बनी हुई हैं। इसीलिए दूरस्थ शिक्षा के विकास, नवीनीकरण और उभरती चुनौतियों का सामना करने के लिए सतत अनुसंधान चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें न केवल दूरस्थ शिक्षा पद्धति को सर्व सुलभ बनाना है बल्कि दूरस्थ शिक्षा के समुपयुक्त साधनों से शिक्षार्थी केंद्रित गुणवत्तापरक मूल्य आधारित शिक्षा भी प्रदान करनी है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के तीव्र विस्तार ने विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक समूहों के शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने की आशाएं एवं आकांक्षाएं बढ़ा दी हैं।
प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज नवाचार और स्टार्टअप के पोषण के लिए एक मजबूत एजुकेशनल इको सिस्टम का निर्माण कर रहा है जो सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के नए अवसर निकलेंगे और युवाओं में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा फोकल एवं लोकल की विचारधारा समृद्ध होगी। विश्वविद्यालय वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से छात्रों एवं स्थानीय लोगों के समृद्ध विचारों को पोषित करेगा। साथ ही उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करेगा।



## अतिथि सम्मान

*माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के सचिव, श्री राहूल सिंह साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह एवं वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 एस.के. सिंह*

*परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह, प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव, प्रभारी परामर्श प्रकोष्ठ डॉ0 दिनेश सिंह एवं क्षेत्रीय केन्द्र समन्वय डॉ0 एस0के0 सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के सचिव, श्री राहूल सिंह*

*स्वामी अतुलानन्द कानवेन्ट कालेज के सचिव, श्री राहूल सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी*

मुक्त चिन्तन

# पूर्वांचल में घर-घर पहुंच रहा मुक्त विश्वविद्यालय : प्रो .सीमा

सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा पर संगोष्ठी

## घर-घर तक पहुंच रहा मुक्त विवि : कुलपति

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की ओर से अध्ययन केंद्र के समन्वयकों की कार्यशाला में चलने वाले कोर्स, उसके क्रियान्वयन आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। इसकी कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अब घर-घर तक पहुंच रहा है। शनिवार को संत अतुलानंद स्कूल कोईराजपुर में कार्यशाला में कुलपति ने कहा कि लोगों को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भी शामिल होने का मौका मिल रहा है। उच्च शिक्षा से वंचित गांव के छात्रों के लिए मुक्त और दूरस्थ शिक्षा अध्ययन केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश की अंतिम तिथि 15 से बढ़ाकर 30 अक्तूबर तक कर दी गई है। गांव की महिलाओं को प्रवेश शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। स्माइल योजना के अंतर्गत कोविड काल में माता पिता को खो चुके बच्चों को प्रवेश शुल्क में छूट देने का निर्णय लिया गया है। ब्यूरो

हिन्दुस्तान

epaper
हिन्दुस्तान

## 'हर घर तक मुक्त विवि की पहुंच'

**वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता।** मुक्त विश्वविद्यालय अब पूर्वांचल के घर-घर तक पहुंच रहा है। भारत सरकार ने भी मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक कार्यक्रमों को पारंपरिक विवि के समकक्ष माना है। यह देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए बड़ी उपलब्धि है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने शनिवार को वाराणसी केंद्र से संबद्ध पूर्वांचल के अध्ययन केंद्रों की कार्यशाला में यह बातें कहीं।

संत अतुलानंद कांवेंट स्कूल में राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कार्यशाला में मंचासीन कुलपति प्रो. सीमा सिंह। साथ में विशिष्टजन। • हिन्दुस्तान

कार्यशाला में क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के अंतर्गत जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र एवं भदोही से लगभग 150 केंद्र प्रभारी शामिल हुए। संत अतुलानंद स्कूल में कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए वाराणसी क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डॉ. एसके सिंह ने योजनाओं की जानकारी दी। कुलपति ने बताया कि आवेदन की तिथि 30 अक्तूबर कर दी गई है।

दिनांक 15 अक्टूबर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर द्वारा विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अतिथि डॉ राजीव रंजन सिंह चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांसगांव गोरखपुर रहे। डॉ राजीव रंजन सिंह ने बताया कि हाथ धोने के समय 6 स्टेप का प्रयोग किया जाना चाहिए हमें खाने से पहले, शौच के बाद, बाहर से आने पर अपने हाथ को अच्छी तरह धुलना चाहिए

*मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यषाला का षुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी*

दिनांक 17 अक्टूबर, 2022 को मंडला आयुक्त द्वारा निर्मित कमेटी, जिलाधिकारी प्रयागराज, मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन की ओर से असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज कार्य, डॉ0 अलका वर्मा, द्वारा ब्लॉक रिसोर्स पर्सन पोस्ट के लिए अभ्यर्थियों का इंटरव्यू संपन्न किया गया

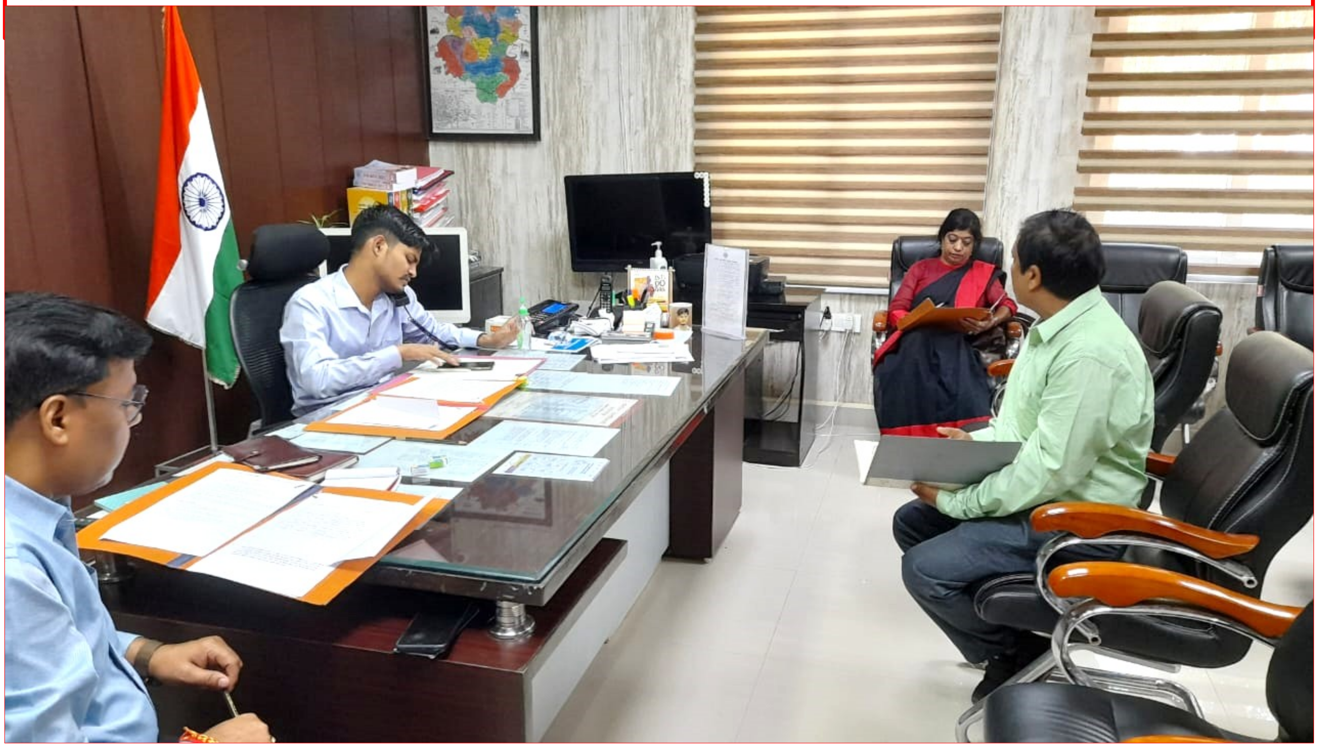

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

# मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति ने किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

*समझौता ज्ञापन को दिखाती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह*

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह की गरिमामयी उपस्थित में आज पर्यटन निदेशालय गोमतीनगर में लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग उ0प्र0) एवं उ0प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज, गोविन्द बल्लभपन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, प्रयागराज तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के मध्य एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

इस अवसर पर प्रो0 बद्री नारायण, निदेशक, गोविन्द बल्लभपन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान प्रयागराज, प्रो0 सुधीर अवस्थी, प्रतिकुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर ,प्रो0 सीमा सिंह, उ0प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद, श्री अतुल द्विवेदी, निदेशक, लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान (संस्कृति विभाग उ0प्र0) मौजूद थे।

मुक्त चिन्तन

*उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह जी के साथ कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह*

इस अवसर पर श्री आनन्द कुमार विशेष सचिव, संस्कृति विभाग, श्री तुहित द्विवेदी, सहायक निदेशक, संस्कृति निदेशालय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। निदेशक, अतुल द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मुक्त चिन्तन

# मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर उपाधि वितरण कार्यक्रम

लखनऊ - मुख्य संस्करण

20 Oct 2022

# जनजाति कला को बढ़ावा देने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

# मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

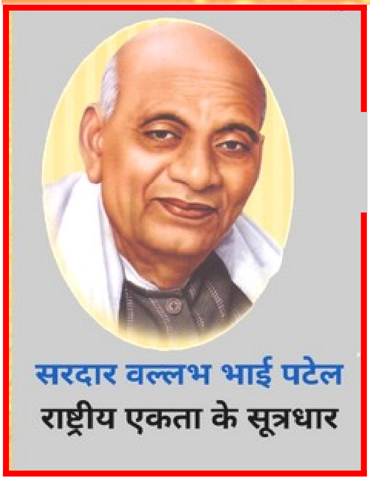


# राष्ट्रीय एकता दिवस

## एकता के लिए दौड़

आज़ादी का अमृत महोत्सव

## मुक्त विश्वविद्यालय में चला सफाई अभियान, लगायी दौड़

उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल के जन्मोत्सव पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को राष्ट्रीय एकता दौड़ का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दौड़ का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक कर्मचारियों, छात्रों ने गंगा परिसर के अटल स्मृति द्वार से सरस्वती परिसर के अटल प्रेक्षागृह तक दौड़ लगाई। इस अवसर पर उत्साह देखते ही बनता था। दौड़ समाप्त होने पर स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

jk"Vªh; ,drk fnol ds volj ij nkSM+rs gq, fo'ofo|ky; ifjokj ds lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

ik"Vªh: .drk

jk"Vªh; ,drk fnol ds volj ij nkSM+rs gq, fo'ofo|ky; ifjokj ds lnL;x.kA

jk"Vªh; ,drk fnol ds volj ij mifLFkr fo'ofo|ky; ifjokj ds lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

## विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

## क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह, डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी, डॉ प्रवीण कुमार, रामप्रवेश यादव तथा अनिल कुमार एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे

## क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र मेरठ पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ पूनम गर्ग एवं कर्मचारी उपस्थित रहे

## क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र झाँसी पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर कर्मचारी उपस्थित रहे

## क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ निराजंली सिन्हा,

## क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र आजमगढ़ पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ श्याम दत्त ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया।

## क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारीगण उपस्थित रहे

मुक्त चिन्तन

## क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र बरेली पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ आर. बी.एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## क्षेत्रीय केन्द्र आगरा

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र आगरा पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ रेखा सिंह एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ एस.के. सिंह एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

## क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र नोएडा पर सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ कविता त्यागी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे

मुक्त चिन्तन

# रजत जयंती वर्ष में मुक्त विश्वविद्यालय को मिलेंगी कई सौगात

## राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का रजत जयंती समारोह दो नवम्बर को

## राज्यपाल करेंगी अध्यक्षता, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार मुख्य अतिथि

**प्रोफेसर सीमा सिंह**
**कुलपति**

*पत्रकार वार्ता करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में निदेशक मानविकी विद्याशाखा प्रो0 सत्यपाल तिवारी*

*प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित पत्रकार बन्धु*

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

## प्रेस कॉन्फ्रेंस

## माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज 2 नवंबर 2022 को 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अटल प्रेक्षागृह में रजत जयंती समारोह का आयोजन कर रहा है रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में वर्ष भर विभिन्न समारोहों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने पत्रकार वार्ता में दी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि रजत जयंती समारोह की आभासीय अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह, शिक्षा सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं पूर्व अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार होंगे।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती पटेल सरस्वती परिसर में स्थापित राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके साथ ही राज्यपाल श्रीमती पटेल विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन, ई–ज्ञान संगम, (ओ. ई. आर. रिपोजिटरी) एवं ई–ज्ञानार्जन (एल.एम.एस. पोर्टल) का उद्‌घाटन करेंगी। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षार्थियों को ऑनलाइन माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़े रखने एवं उन्हें नित नई जानकारियों से अवगत कराने के उद्देश्य से सेंटर फॉर ऑनलाइन एजुकेशन की स्थापना की गई है। इसके साथ ही ई–ज्ञान संगम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा तैयार की गई अध्ययन सामग्री को निर्धारित ओ. ई.आर. लाइसेंस प्राप्त करते हुए आम जनमानस को विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ई–ज्ञानार्जन (लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम) पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को ऑनलाइन माध्यम से भी संचालित करने की योजना है। इससे दूर–दराज में रह रहे शिक्षार्थी भी ऑनलाइन माध्यम से पाठ्यक्रमों को पूरा कर अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकेंगें। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस अवसर पर राज्यपाल श्रीमती पटेल रजत जयंती समारोह स्मारिका एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा पर आधारित वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) का विमोचन करेंगी। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर विशेष डिजाइन में लोगो तैयार किया गया है। जिसका उपयोग वर्ष भर आयोजित होने वाले श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रमों में किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक चलाए गए हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत सेल्फी विद तिरंगा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

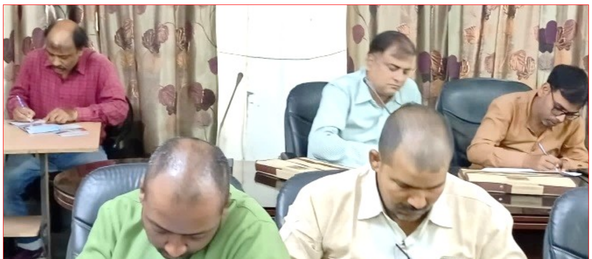

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

एक प्रश्न के जवाब में प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 नवंबर कर दी गई है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में रजत जयंती समारोह की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ की जा रही हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। समारोह में शामिल होने के लिए विश्वविद्यालय के सभी पूर्व कुलपतियों, पूर्व कुलसचिव, पूर्व वित्त अधिकारी, पूर्व परीक्षा नियंत्रक, अवकाश प्राप्त निदेशकों एवं शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय से विगत 24 वर्षों से जुड़े सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। जिससे वह यहां आकर अपनी यादें साझा कर सकें।

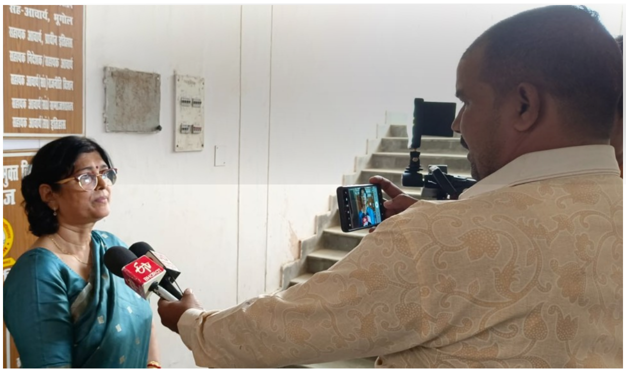

# रजत जयंती वर्ष में मुक्त विवि को मिलेगी कई सौगात

- राजर्षि टंडन मुक्त विवि का रजत जयंती समारोह दो को
- राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी अध्यक्षता

इससे दूर दराज में रह रहे शिक्षार्थी भी ऑनलाइन माध्यम से पाठ्यक्रमों को पूरा कर अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकेंगें। प्रो. सिंह ने बताया कि इस अवसर पर राज्यपाल